

For 14-Feb-2015

हमारे दिल की शुद्ध इच्छा हमेशा पूर्ण होती है

दादी भी बाबा की तरह हमारे दिल की शुद्ध इच्छाओं को पूरा करती हैं। जब मैं ऑक्सफ़ोर्ड में थी तो खिड़की से अक्सर दादी को सीनियर बहनो के साथ नियमित पैदल टहलते देखा करती थी। वो हाथ में हाथ डाले घूमती थी और उन्हें देख कर बहुत ही अच्छा लगता था। मैंने सोचा कि कितना अच्छा हो अगर एक दिन मैं भी दादी के साथ हाथ में हाथ डाले पैदल टहल सकूँ।

असंभव प्रतीत होते हुए भी आखिर वो दिन आ ही गया। मुझे खबर मिली कि दादी वियेन्ना (जो हंग्री के पास है जहाँ मैं रहती हूँ) के हवाई अड्डे पर पहुँच रही हैं। मैंने दादी का हवाई अड्डे पर स्वागत किया। मुझे देखते ही बिना कुछ बोले, दादी ने मेरा हाथ पकड़ लिया और हम दोनों साथ साथ चलते हुए हवाई अड्डे को पार कर गये। उस समय की अपनी भावनाओं को मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती हूँ। हम साइलेन्स में चल रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं पृथ्वी पर हूँ ही नहीं। उन अनन्त पलों को मैं कभी भी भूल नहीं सकती हूँ।

ज्ञान के मोती:

बाबा ने अपने उच्चारों महावाक्यों में जो कुछ कहा है वो हो रहा है और आप उसे देख भी रहे हैं। ये हमारा भाग्य है कि हम उसे देख सकते हैं और उसका अनुभव कर सकते हैं। हमें और कुछ भी नहीं करना है। बाबा ही सब कुछ कर रहा है - सबको प्रेरित कर रहा है। ये सब अनुभव करते हुए करावनहार की तरफ देखते हुए, हमें चलते जाना है, जो हमसे सब कुछ करा रहा है। सदा बाबा की तरफ देखने से हमारा जीवन सार्थक हो गया है। वास्तव में मेरे इस सफल जीवन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि मेरा जीवन अब मेरे हाथों में नहीं रहा, वो अब बाबा के हाथों में है। हमारी पालना बाबा की गोदी में हो रही है। बाबा ने हमें अपना साथी बनाया है। यह कितनी सुन्दर तीर्थ यात्रा है। अब तो सिर्फ यह आवाज़ निकलती है कि सबका जीवन इसी तरह सफल हो जाये।

"मेरे अंदर भगवान से मिलने और उनके साथ रहने की इच्छा होनी चाहिये यहाँ तक की भगवान के साथ कि अनुभूति की चाहना मेरी हर एक सांस में हो। भगवान से मिलने और उनके साथ रहने की भावना का फल मिलेगा जब आप योग में बैठेंगे। भगवान से पूछो - क्या तुम मुझसे प्यार करते हो? वास्तव में मैं उसके (भगवान के) बिना नहीं रह सकती और वो (भगवान) भी मेरे बिना नहीं रह सकता है। बाबा तुम्हें अपने साथी के रूप में देखना चाहता

है। भगवान के बन जाने और भगवान को अपना बना लेने के बाद ही हमने सच्ची रीति से मुस्कुराना सीखा। अब ज्ञान को सुनो और इस तरीके से धारण करो कि अंदर के हर कोने में छिपे हुए अब तक के सारे दुख दूर हो जायें।“

दृष्टि पॉइंट:

जैसे ही मैं सबसे खूबसूरत एक (बाबा) और दिल के दोस्त के साथ चलती हूँ, तो मैं इस सम्बंध का ताप हर आत्मा (जिससे भी मिलती हूँ) के ऊपर बिखेरती जाती हूँ।

कर्म योग का अभ्यास:

बाबा को सारे दिन अपने साथ में ले कर चलो। अपना लाइट का सूक्ष्म हाथ बाबा के लाइट के सूक्ष्म हाथ में इस जागरूकता के साथ दो कि आप सबसे खूबसूरत एक (बाबा) के साथ चल रहे हैं जो दिल का दोस्त है और अविनाशी साथी भी है।